वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय

जौनपुर, उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांक: 12 सितम्बर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

जौनपुर धारा

मानसिक संकट के संकेतों को पहचानें, संवेदनशीलता से सुनें और मदद से जोड़ें

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वेलनेस सेंटर की ओर से विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक तनाव और संकट की स्थिति में समय पर सहयोग उपलब्ध कराने के उपायों की जानकारी दी गई।



वेलनेस सेंटर के समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि आत्महत्या की प्रवृत्ति के पीछे सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत परिस्थितियां हो सकती हैं। ऐसे मामलों में सकारात्मक माहौल और संवेदनशील संवाद के साथ समय पर सहयोग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने इसे सामूहिक जिम्मेदारी बताया। वेलनेस सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी ने मानसिक प्राथमिक सहायता के तीन चरण 'देखें, सुनें और सहायता करें' बताए। उन्होंने कहा कि संकट के संकेतों को पहचानने के बाद व्यक्ति की बात सहानुभूति से सुनना और आवश्यकता होने पर उसे विशेषज्ञ या मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना जरूरी है।

व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और समय पर परामर्श की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि परेशान व्यक्ति से बातचीत और भावनात्मक सहयोग उसे संकट से उबरने में मदद कर सकता है। जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने विद्यार्थियों पर पढ़ाई, सामाजिक अपेक्षाओं और डिजिटल माध्यमों से पड़ने वाले मानसिक दबाव का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध या ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसी घटनाओं के बाद तनाव की स्थिति में व्यक्ति को दोष देने के बजाय उसकी बात सुनकर सहयोग देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम से जुड़े सवाल पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने जवाब दिया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

शिकागो भाषण की प्रासंगिकता पर आस्था सिंह अव्वल

भाषण प्रतियोगिता में 61 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा, वैशाली राय द्वितीय और अमृता सिंह तृतीय रहीं

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण की प्रासंगिकता पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में एचआरडी विभाग की छात्रा आस्था सिंह ने प्रथम स्थान हासिल किया। वैशाली राय ने दूसरा और अमृता सिंह ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 61 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।



उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 11 सितंबर 1893 को स्वामी विवेकानंद द्वारा शिकागो धर्म संसद में दिए गए भाषण के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे। वक्ताओं ने भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा, धार्मिक सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व के संदेश को वर्तमान समय से जोड़ते हुए युवाओं की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। प्रतियोगिता के बाद स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में सम्मान एवं समापन समारोह आयोजित किया गया। विजेता विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र और स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का शिकागो भाषण भारतीय संस्कृति और मानवतावादी दृष्टिकोण का प्रभावशाली परिचय है।

उनके विचार आज भी युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन, सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. राजकुमार सोनी ने कहा कि शिकागो भाषण भारतीय ज्ञान परंपरा, सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व का संदेश देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वामी विवेकानंद के साहित्य और विचारों का अध्ययन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम संयोजक एवं एचआरडी विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के वक्तृत्व कौशल और अभिव्यक्ति क्षमता को विकसित करने के साथ भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों के प्रति उनकी समझ को मजबूत करते हैं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. इंद्रेश गंगवार और शोधार्थी उद्देश्य सिंह शामिल रहे। इस अवसर पर डॉ. अनुपम कुमार, डॉ. प्रवीण मिश्रा समेत शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी और विद्यार्थी मौजूद रहे। संचालन अवंतिका यादव और प्रांजल मौर्य ने किया।

एचपीवी टीकाकरण से सर्वाइकल कैंसर से बचाव पर जोर

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में बालिकाओं और अभिभावकों को किया गया जागरूक

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में सर्वाइकल कैंसर से बचाव को लेकर एचपीवी टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अभियान के तहत 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को एचपीवी संक्रमण, टीकाकरण की उपयोगिता और सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

फार्मेसी संस्थान की ओर से यह विशेष अभियान 11 और 16 सितंबर को संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं के साथ उनके अभिभावकों को भी टीकाकरण से संबंधित आवश्यक



जानकारी दी गई। स्वास्थ्य सुरक्षा और समय पर बचाव के उपायों को लेकर जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया। कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि एचपीवी टीकाकरण सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

विश्वविद्यालय का प्रयास विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने का भी है। कुलसचिव ने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास में स्वास्थ्य जागरूकता की अहम भूमिका है।

ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों को विश्वविद्यालय आगे भी प्रोत्साहित करता रहेगा। कार्यक्रम में डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद यादव, आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. गिरधर मिश्रा, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, एनएसएस समन्वयक शशिकांत यादव समेत शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी मौजूद रहे। अभियान के आयोजन में डॉ. नृपेंद्र सिंह, प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. पूजा सक्सेना और डॉ. श्वेता पांडेय ने सहयोग एवं समन्वय किया।

कौटिल्य भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
कौटिल्य का भारत

स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण की प्रासंगिकता पर विद्यार्थियों ने रखे विचार

भाषण प्रतियोगिता में आस्था सिंह प्रथम, वैशाली राय द्वितीय और अमृता सिंह तृतीय रहीं



कौटिल्य का भारत

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण की प्रासंगिकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का आयोजन उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान में किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 61 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के बाद स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में सम्मान एवं समापन समारोह आयोजित हुआ। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 11 सितंबर 1893 को शिकागो धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद द्वारा दिए गए ऐतिहासिक भाषण की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर विचार रखे। उन्होंने भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा, धार्मिक सहिष्णुता, विश्वबंधुत्व और मानवता के संदेश को रेखांकित किया। वक्ताओं ने कहा कि आज के दौर में स्वामी विवेकानंद के विचार सामाजिक समरसता, सहिष्णुता, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रतियोगिता में एचआरडी विभाग की छात्रा आस्था सिंह ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया।

वैशाली राय ने द्वितीय तथा अमृता सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सम्मान समारोह में विजेता विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने की। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का शिकागो भाषण भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और मानवतावादी दृष्टिकोण का विश्व के सामने प्रभावशाली परिचय था। उनके विचार आज भी युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन, सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. राजकुमार सोनी ने कहा कि शिकागो भाषण केवल ऐतिहासिक संबोधन नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा, सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व का वैश्विक संदेश है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वामी विवेकानंद के साहित्य और विचारों का अध्ययन कर उन्हें जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम संयोजक एवं एचआरडी विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति क्षमता और वक्तृत्व कौशल विकसित करने के साथ भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। निर्णायक मंडल में डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. इंद्रेश गंगवार एवं शोधार्थी उद्देश्य सिंह शामिल रहे। इस अवसर पर शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

लखनऊ 10
12 सितम्बर 2026

मानसिक परेशानी में चुप न रहें, बात करें और मदद लें

लोकभारती न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वेलनेस सेंटर के तत्वावधान में भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक तनाव और आत्महत्या की रोकथाम के प्रति जागरूक करना रहा। समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि आत्महत्या के पीछे सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत सहित कई कारण हो सकते हैं। सकारात्मक वातावरण, संवेदनशील संवाद और समय पर सहयोग से ऐसे संकटों को काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि आत्महत्या की रोकथाम सामूहिक जिम्मेदारी है। नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी ने मानसिक प्राथमिक सहायता के तीन महत्वपूर्ण चरण देखें, सुनें और सहायता करें बताए। उन्होंने समझाया कि 'देखें' का अर्थ संकट के संकेतों को पहचानना, 'सुनें' का अर्थ व्यक्ति की बात को संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ सुनना तथा 'सहायता करें' का अर्थ आवश्यक सहयोग देना और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ या मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना है। उन्होंने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। प्रोफेसर डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और समय पर परामर्श बेहद महत्वपूर्ण है। किसी परेशान व्यक्ति से बातचीत करना और उसे भावनात्मक सहयोग देना कई बार महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने समाधान किया। विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एचपीवी टीकाकरण सर्वाइकल कैंसर से बचाव की महत्वपूर्ण पहल : कुलपति



पूर्वांचल विश्वविद्यालय में छात्रा को एचपीवी का टीका लगाती स्वास्थ्य कर्मचारी। जागरण

जासं, मल्हनी (जौनपुर): पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में सरकार की ओर से संचालित एचपीवी टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए जागरूकता और टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं और उनके अभिभावकों को एचपीवी संक्रमण, सर्वाइकल कैंसर से बचाव तथा टीकाकरण की उपयोगिता के प्रति जागरूक करना रहा।

फार्मेसी संस्थान की ओर से यह विशेष अभियान 11 और 16 सितंबर को संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं और उनके अभिभावकों को एचपीवी संक्रमण से होने वाले संभावित स्वास्थ्य जोखिमों, टीकाकरण की उपयोगिता और आवश्यक स्वास्थ्य सावधानियों की जानकारी दी गई। कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कहा कि एचपीवी टीकाकरण सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कुलसचिव ने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास में स्वास्थ्य जागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका है।

विश्वविद्यालय ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों को निरंतर प्रोत्साहित करता रहेगा। डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद यादव, आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. गिरधर मिश्रा, डा. श्याम कन्हैया सिंह, एनएसएस समन्वयक शशिकांत यादव सहित शिक्षक, कर्मचारी और विद्यार्थी रहे। कार्यक्रम में प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह, डा. पूजा सक्सेना और डा. श्वेता पांडेय ने सहयोग किया।

जौनपुर जागरण

मन की उलझन को दबाएं नहीं अपनों से करें साझा : प्रो. अजय

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): मानसिक परेशानी और भावनात्मक तनाव को भीतर दबाने के बजाय समय रहते किसी भरोसेमंद व्यक्ति से बात करना और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की मदद लेना जरूरी है। सकारात्मक माहौल और संवेदनशील संवाद से आत्महत्या जैसे संकट को काफी हद तक रोका जा सकता है। यह संदेश वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वेलनेस सेंटर की ओर से विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में प्रो. अजय प्रताप सिंह ने दिया।

वेलनेस सेंटर के समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि आत्महत्या के पीछे पारिवारिक, सामाजिक और व्यक्तिगत परिस्थितियां हो सकती हैं। संकट में घिरे व्यक्ति को अकेला छोड़ने के बजाय उसकी बात समझना और उसे भावनात्मक सहयोग देना सभी की जिम्मेदारी है।नोडल अधिकारी डा. अन्नू त्यागी ने मानसिक प्राथमिक सहायता के तीन चरण 'देखें, सुनें और सहायता करें' बताए। उन्होंने कहा कि संकट के संकेतों को पहचानने के साथ व्यक्ति की बात धैर्य और सहानुभूति से सुनना चाहिए। आवश्यकता होने पर उसे विशेषज्ञ अथवा मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना भी जरूरी है। व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि समय पर परामर्श और भावनात्मक सहयोग व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलने में मदद करता है। जनसंचार विभाग के शिक्षक डा. दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा कि पढ़ाई, सामाजिक अपेक्षाओं और डिजिटल माध्यमों का दबाव युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। साइबर अपराध के पीड़ितों को दोष देने के बजाय उनका सहयोग करना चाहिए।

पूर्वांचल विवि की आस्था सिंह ने जीती भाषण प्रतियोगिता

- स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण की प्रासंगिकता पर 61 विद्यार्थियों ने रखे अपने विचार
- वैशाली राय द्वितीय और अमृता सिंह तृतीय, विजेताओं को प्रशस्ति-पत्र और स्मृति-चिह्न

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण की प्रासंगिकता विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में एचआरडी विभाग की छात्रा आस्था सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वैशाली राय ने द्वितीय और अमृता सिंह ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 61 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता का आयोजन उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान में किया गया। विद्यार्थियों ने 11 सितंबर 1893 को शिकागो धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद द्वारा दिए गए ऐतिहासिक भाषण की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर विचार रखे। भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा, धार्मिक सहिष्णुता, विश्वबंधुत्व, मानवता और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका उनके भाषण के प्रमुख विषय रहे।

इसके बाद स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में आयोजित सम्मान समारोह में विजेताओं को प्रशस्ति-पत्र और स्मृति-चिह्न प्रदान किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने की। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन, सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. राजकुमार सोनी ने कहा कि शिकागो भाषण भारतीय ज्ञान परंपरा, सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व का वैश्विक संदेश है।

संयोजक एचआरडी विभागाध्यक्ष डा. रसिकेश ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति और सार्वजनिक वक्तृत्व कौशल विकसित करने के साथ भारतीय संस्कृति और मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। निर्णायक मंडल में डा. मनीष कुमार गुप्ता, डा. सुनील कुमार, डा. इंद्रेश गंगवार और शोधार्थी उद्देश्य सिंह शामिल रहे। संचालन अवंतिका यादव और प्रांजल मौर्य ने किया।

कार्यशाला

वेलनेस सेंटर में छात्रों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति किया गया जागरूक

मानसिक तनाव और भावनात्मक परेशानी को नजर अंदाज न करें

संवाद न्यूज एजेंसी

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को मानसिक तनाव और भावनात्मक परेशानी को नजरअंदाज न करने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि ऐसे समय में भरोसेमंद व्यक्ति से बातचीत करना, संवेदनशीलता के साथ सहयोग देना और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ की मदद लेना जरूरी है।

विश्वविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक तनाव और संकट के समय उपलब्ध सहायता के बारे में जानकारी दी गई। वेलनेस सेंटर के समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि



विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस पर आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते वेलनेस सेंटर के पदाधिकारी। स्रोतःपूर्वांवि

मानसिक संकट के पीछे पारिवारिक, सामाजिक और व्यक्तिगत परिस्थितियां हो सकती हैं। ऐसे समय में सकारात्मक माहौल और संवेदनशील संवाद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को उन्होंने सामूहिक जिम्मेदारी बताया। वेलनेस सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी ने मानसिक प्राथमिक सहायता के लिए 'देखें, सुनें और सहायता करें' का तरीका समझाया।

उन्होंने कहा कि सबसे पहले व्यक्ति के व्यवहार में दिखाई देने वाले संकट के संकेतों को समझना चाहिए। इसके बाद उसकी बात बिना किसी पूर्वाग्रह के सुननी चाहिए और जरूरत पड़ने पर उचित विशेषज्ञ या मानसिक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंचाने में मदद करनी चाहिए।

डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ समय पर परामर्श लेना भी जरूरी है।

जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा कि पढ़ाई, सामाजिक अपेक्षाओं और डिजिटल माध्यमों से जुड़े दबाव विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं।

साइबर अपराध या ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसी घटनाओं के बाद भी व्यक्ति तनाव महसूस कर सकता है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सवाल विशेषज्ञों के सामने रखे। विशेषज्ञों ने सवालों के जवाब देते हुए समय पर संवाद और सहायता लेने की जरूरत बताई।

जन संदेश

एचपीवी सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

बोले: कुलपति

फार्मेसी संस्थान में हुआ टीकाकरण स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में सरकार द्वारा संचालित एचपीवी टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के अंतर्गत सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए जागरूकता एवं टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूक करना और उन्हें सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उपायों की जानकारी देना रहा।

फार्मेसी संस्थान द्वारा यह विशेष अभियान 11 और 16 सितंबर 2026 को संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान बालिकाओं और उनके अभिभावकों को एचपीवी संक्रमण, सर्वाइकल कैंसर, टीकाकरण की उपयोगिता तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। कुलपति प्रो. आरके सिंह ने कहा कि एचपीवी टीकाकरण सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कुलसचिव ने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास में स्वास्थ्य जागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका है और विश्वविद्यालय ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों को निरंतर प्रोत्साहित करता रहेगा। डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद यादव, आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. गिरधर मिश्रा, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, एनएसएस समन्वयक शशिकांत यादव सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. नृपेंद्र सिंह, प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. पूजा सक्सेना एवं डॉ. श्वेता पांडेय ने सहयोग और समन्वय प्रदान किया।



स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का निरीक्षण करते कुलपति

एआईएमआईएम की टीम पनौली पहुंची, गुड़िया हत्याकांड की जांच की मांग

जौनपुर। जिले के पनौली गांव में विगत दिनों हुई गुड़िया की हत्या के मामले को लेकर एआईएमआईएम के जिलाध्यक्ष इमरान बंटी पार्टी पदाधिकारियों के साथ पनौली गांव पहुंचे। उन्होंने मृतका के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और परिवार को हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान जिलाध्यक्ष इमरान बंटी ने कहा कि मृतका के परिजन पुलिस की अब तक की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं हैं। उन्होंने बताया कि मृतका की पुत्री के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। इमरान बंटी ने कहा कि करीब सात-आठ माह पूर्व इसी पनौली गांव में फूलचंद्र पासवान नामक व्यक्ति की भी हत्या हुई थी। इस मौके पर जिला संयुक्त सचिव शमशाद अहमद, शाहगंज विधानसभा महासचिव मोहम्मद जाबिर, खुटहन ब्लॉक अध्यक्ष इरशाद अहमद तथा शाहगंज विधानसभा सचिव सलमान अहमद मौजूद रहे।

भाषण प्रतियोगिता में आस्था सिंह अव्वल

कार्यक्रम

स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण की प्रासंगिकता पर प्रतियोगिता में 61 ने किया प्रतिभाग

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि में स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण की प्रासंगिकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन कल उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान में किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न पाठ्यक्रमों से 61 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के उपरांत आज स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में सम्मान एवं समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद के 11 सितंबर 1893 के ऐतिहासिक भाषण की प्रासंगिकता एवं भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा, धार्मिक सहिष्णुता, विश्वबंधुत्व तथा मानवता के संदेश पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में एचआरडी विभाग की छात्रा आस्था सिंह ने अधिकतम अंक प्राप्त करके प्रथम, वैशाली राय ने द्वितीय तथा अमृता सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में आयोजित सम्मान समारोह में विजेता विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। अध्यक्षता करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का शिकागो भाषण भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और मानवतावादी दृष्टिकोण का विश्व के समक्ष प्रभावशाली परिचय था। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन, सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. राजकुमार सोनी ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का शिकागो भाषण केवल एक ऐतिहासिक संबोधन नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा, सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व का वैश्विक संदेश है। कार्यक्रम संयोजक विभागाध्यक्ष एचआरडी विभाग डॉ. रसिकेश ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति की क्षमता, सार्वजनिक वक्तृत्व-कौशल तथा भारतीय संस्कृति और मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. इंद्रेश गंगवार एवं शोधार्थी उद्देश्य सिंह शामिल रहे। डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, प्रो. मिथिलेश, इंद्रेश गंगवार, डॉ. अनुपम कुमार, डॉ. प्रवीण मिश्रा सहित विवि के शिक्षकगण, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन छात्र अवंतिका यादव एवं प्रांजल मौर्य ने किया। स्वयंसेवक इंचार्ज दिव्यांशु सिंह एवं ऐशवी अस्थाना रहे। धन्यवाद ज्ञापन आयोजक प्रो. राजकुमार ने किया। छात्र खुशी सिंह, कुणाल मिश्रा, निधि सिंह, अनुराग तिवारी, उज्ज्वल सिंगज, संजना मिश्रा, अर्चना, साक्ष्य, अभय सिंह आदि उपस्थित रहे।



आस्था सिंह को सम्मानित करते अतिथिगण

मानसिक परेशानी में चुप न रहें, बात करें व मदद लें

कार्यक्रम

वेलनेस सेंटर के तत्वावधान में मनाया गया विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस



कार्यक्रम को सम्बोधित करते मुख्य अतिथि

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वेलनेस सेंटर के तत्वावधान में भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक तनाव और आत्महत्या की रोकथाम के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में वेलनेस सेंटर के समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि आत्महत्या के पीछे सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत सहित कई कारण हो सकते हैं। सकारात्मक वातावरण, संवेदनशील संवाद और समय पर सहयोग से ऐसे संकटों को काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि आत्महत्या की रोकथाम सामूहिक जिम्मेदारी है। वेलनेस सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी ने मानसिक प्राथमिक सहायता के तीन महत्वपूर्ण चरण देखें, सुनें और सहायता करें बताए। उन्होंने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और समय पर परामर्श बेहद महत्वपूर्ण है। किसी परेशान व्यक्ति से बातचीत करना और उसे भावनात्मक सहयोग देना कई बार महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा कि विद्यार्थियों और युवाओं पर पढ़ाई, सामाजिक अपेक्षाओं, डिजिटल माध्यमों तथा विभिन्न प्रकार के मानसिक दबावों का प्रभाव पड़ सकता है। साइबर अपराध या ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसी घटनाओं के बाद भी व्यक्ति तनाव में आ सकता है। ऐसे समय में पीड़ित को दोष देने के बजाय उसकी बात सुनना और सहयोग देना जरूरी है।कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने समाधान किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वतंत्र एकता जागरण

स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण की प्रासंगिकता पर विद्यार्थियों ने रखे विचार

भाषण प्रतियोगिता में आस्था सिंह प्रथम, वैशाली राय द्वितीय और अमृता सिंह तृतीय रहीं

स्वतंत्र एकता जागरण



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद के शिकागो धर्म संसद में दिए गए ऐतिहासिक भाषण की प्रासंगिकता विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का आयोजन उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान में किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 61 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के बाद स्वामी विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय में सम्मान एवं समापन समारोह आयोजित हुआ। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 11 सितंबर 1893 को शिकागो धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद द्वारा दिए गए ऐतिहासिक भाषण की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर विचार रखे। उन्होंने भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा, धार्मिक सहिष्णुता, विश्वबंधुत्व और मानवता के संदेश को रेखांकित किया। वक्ताओं ने कहा कि आज के दौर में स्वामी विवेकानंद के विचार सामाजिक समरसता, सहिष्णुता, आत्मविश्वास और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रतियोगिता में एचआरडी विभाग की छात्रा आस्था सिंह ने सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वैशाली राय ने द्वितीय तथा अमृता सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सम्मान समारोह में विजेता विद्यार्थियों को प्रशस्ति-पत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने की। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का शिकागो भाषण भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपरा और मानवतावादी दृष्टिकोण का विश्व के सामने प्रभावशाली परिचय था। उनके विचार आज भी युवाओं को आत्मविश्वास, अनुशासन, सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। मानद पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. राजकुमार सोनी ने कहा कि शिकागो भाषण केवल ऐतिहासिक संबोधन नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा, सहिष्णुता और विश्वबंधुत्व का वैश्विक संदेश है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वामी विवेकानंद के साहित्य और विचारों का अध्ययन कर उन्हें जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम संयोजक एवं एचआरडी विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति क्षमता और वक्तृत्व कौशल विकसित करने के साथ भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं। निर्णायक मंडल में डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. इंद्रेश गंगवार एवं शोधार्थी उद्देश्य सिंह शामिल रहे। इस अवसर पर शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, शोधार्थी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे।

मानसिक परेशानी में चुप न रहें, बात करें और मदद लें

वेलनेस सेंटर के तत्वावधान में मनाया गया विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस

स्वतंत्र एकता जागरण



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के वेलनेस सेंटर के तत्वावधान में भवन के कॉन्फ्रेंस हॉल में विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक तनाव और आत्महत्या की रोकथाम के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में वेलनेस सेंटर के समन्वयक प्रो. अजय प्रताप सिंह ने कहा कि आत्महत्या के पीछे सामाजिक, पारिवारिक और व्यक्तिगत सहित कई कारण हो सकते हैं। सकारात्मक वातावरण, संवेदनशील संवाद और समय पर सहयोग से ऐसे संकटों को काफी हद तक रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि आत्महत्या की रोकथाम सामूहिक जिम्मेदारी है। वेलनेस सेंटर की नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू त्यागी ने मानसिक प्राथमिक सहायता के तीन महत्वपूर्ण चरण "देखें, सुनें और सहायता करें" बताए। उन्होंने समझाया कि 'देखें' का अर्थ संकट के संकेतों को पहचानना, 'सुनें' का अर्थ व्यक्ति की बात को संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ सुनना तथा 'सहायता करें' का अर्थ आवश्यक सहयोग देना और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ या मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना है। उन्होंने युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और समय पर परामर्श बेहद महत्वपूर्ण है। किसी परेशान व्यक्ति से बातचीत करना और उसे भावनात्मक सहयोग देना कई बार महत्वपूर्ण बदलाव ला सकता है। जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने कहा कि विद्यार्थियों और युवाओं पर पढ़ाई, सामाजिक अपेक्षाओं, डिजिटल माध्यमों तथा विभिन्न प्रकार के मानसिक दबावों का प्रभाव पड़ सकता है। साइबर अपराध या ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसी घटनाओं के बाद भी व्यक्ति तनाव में आ सकता है। ऐसे समय में पीड़ित को दोष देने के बजाय उसकी बात सुनना और सहयोग देना जरूरी है।कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मानसिक स्वास्थ्य और आत्महत्या रोकथाम से जुड़े विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने समाधान किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एचपीवी सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल-वाइसचांसलर

फार्मेसी संस्थान में हुआ टीकाकरण स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान में सरकार द्वारा संचालित एचपीवी टीकाकरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के अंतर्गत सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए जागरूकता एवं टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूक करना और उन्हें सर्वाइकल कैंसर से बचाव के उपायों की जानकारी देना रहा।

फार्मेसी संस्थान द्वारा यह विशेष अभियान 11 और 16 सितंबर 2026 को संचालित किया जा रहा है। अभियान के दौरान बालिकाओं और



उनके अभिभावकों को एचपीवी संक्रमण, सर्वाइकल कैंसर, टीकाकरण की उपयोगिता तथा स्वास्थ्य सुरक्षा के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई।

कुलपति प्रो. आर. के. सिंह ने कहा कि एचपीवी टीकाकरण सर्वाइकल कैंसर से बचाव की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कुलसचिव ने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास में स्वास्थ्य जागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका है और विश्वविद्यालय ऐसे जनहितकारी कार्यक्रमों को निरंतर प्रोत्साहित करता रहेगा। इस अवसर पर डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद यादव, आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. गिरधर मिश्रा, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, एनएसएस समन्वयक शशिकांत यादव सहित शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. नृपेंद्र सिंह, प्रो. नरेंद्र कुमार सिंह, डॉ. पूजा सक्सेना एवं डॉ. श्वेता पांडेय ने सहयोग और समन्वय प्रदान किया।